भजन

तर्ज– चरखा मेरा रंग

निजघर मेरा रंगरंगीला, नूर भरी मोहलातां
उसनूं मैं याद करां,जद सुरता नाल वेखां

1– सौ सीढ़ियां चढ़ ऊपर जावां,
सन्मुख दर्श धनी जी दा पावां
कर प्रणाम मैं शीश झुकावां,मूलमिलावा वेखां
2– कंचन रंग सिहांसन सोहे
छः पाये छः डांडे सोहे
छः डांडों पर छः कलश हैं,दो छतरी ऊपर वेखां
3– पाँच हैं तकिए गादी सोहे
छतरी ऊपर झालर सोहे
ऊपर लगा है चन्द्रवा,नीचे गिलम मैं वेखां
4– राज श्यामा जी बैठे मेरे हैं
नूर की चौकी पर चरण धरे हैं
लांक तली ते लाल एड़ियां,विच विच सुन्दर रेखां